आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 17-06-2014

बाबा ने कहा, तुम बच्चों को नशा रहना चाहिए हम साहेबजादे, साहेब की मत पर अब फिर से अपना राज्य-भाग्य स्थापन कर रहे हैं. हम साहेबजादे, फिर जाकर सारे विश्व के शहजादे बनेंगे.

गरीब-निवाज बाबा के बच्चों के पास ज्यादातर स्थूल खजाना तो होता नहीं हैं. लेकिन ज्ञान सागर बाबा ने हमें ज्ञान के खजानों से तो भरपूर कर दिया हैं. कलियुग के मनुष्य तो समझते हैं की धन-दौलत के वैभव से वह स्वयं के लिए स्वास्थ्य, सुख और शांति जो चाहे सबकुछ हासिल कर सकते हैं. लेकिन बाबा ने हमें ज्ञान दिया हैं की एक बाप के साथ योग से ही हमारा स्वास्थ्य अच्छा हो सकता हैं और सच्ची सुख-शांति तो हमें सतयुग में ही प्राप्त होगी. इसके लिए विशाल बुद्धि बन हमें बाबा का ज्ञान स्वयं में धारण कर औरो को भी कराना चाहिए. इस समय जितना ज्ञान रतन हम औरो को दान करेंगे उतना भविष्य में सतयुग-त्रेता में हमारे सब भंडार भरपूर रहेंगे.

बाबा ने हमें सिखाया हैं कि मांगने से मरना भला. हम बाबा के साहेबजादे बच्चे, बाबा से 21 जन्म के लिए संपूर्ण सुख और शांति का अथाह अविनाशी खजाना लेते हैं तो इस के सामने कलियुग के विनाशी वैभवों कि तो कोई इच्छा रहती नहीं. इस ब्राह्मण जीवन में हमारे पास जीतना भी हैं, उसमें सदा संतुष्ट और खुश रहना हैं. कभी किसी से कुछ भी मांगना नहीं हैं. कुछ मिले ना मिले पर कभी किसी से नाराज नहीं होना हैं और ना किसी को नाराज करना हैं. सदा स्वयं का और बाप का रिगार्ड रखना ही हैं.

ॐ शांति.

Pls. send your feedback to Atma Bhai on email - a.brahmin.soul@gmail.com

www.omshanti.com